आभार

प्रस्तुत शोध प्रबंध के पूर्ण होने में कई व्यक्तियों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। सर्वप्रथम मैं अपने शोध निर्देशक डॉ. अरविन्द सिंह तेजावत के प्रति आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने मुझे इस शोध विषय पर कार्य करने की अनुमति प्रदान की। मेरे शोध कार्य पर उनकी दृष्टि लगातार रही जिसके फलस्वरूप इस शोध प्रबंध का कार्य सम्भव हो सका। मैं विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय तथा डॉ. अमित कुमार के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने अपने उपयोगी सुझावों से सदैव मेरा मार्गदर्शन किया।

मैं हबीब तनवीर की दोनों बेटियों, नगीन तनवीर तथा ऐना (Anna) तनवीर का धन्यवाद करती हूँ जिन्होंने अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकाल कर हबीब तनवीर के जीवन और उनके रंगकर्म पर मुझसे बातचीत की। मैं डॉ. कपिल तिवारी तथा वसंत निरगुणे का भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने हबीब तनवीर के व्यापक रंग व्यक्तित्व पर मेरी दृष्टि को स्पष्ट किया। युवा पत्रकार पुष्पेंद्र का आभार जिन्होंने भोपाल में रहने और क्षेत्रीय कार्य में मेरी मदद की।

मैं 'नया थियेटर' के वर्तमान निर्देशक रामचन्द्र सिंह का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने बीच-बीच में नया थियेटर के साथ रहकर हबीब तनवीर के नाटकों की प्रस्तुति प्रक्रिया को देखने का अवसर दिया तथा विस्तार से उनके नाटकों के बारे में बताया। नया थियेटर के उन सभी शहरी और लोक कलाकारों के प्रति आभार जिन्होंने हबीब तनवीर और उनके नाटकों पर बातचीत के लिए समय दिया। इस कड़ी में मैं रामशरण वैष्णव और उनकी पत्नी लता खापड़े के प्रति विशेष आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने राजनांदगांव में रहने तथा

तमाम शोध सामग्री संकलन में मेरी हर संभव सहायता की। उन सभी आलोचकों, रंगकर्मियों, लेखकों के प्रति भी आभार जिन्होंने शोध विषय पर बातचीत करने हेतु अपना समय दिया।

मैं अपने स्नातक कॉलेज के अध्यापक डॉ. प्रभात कुमार तथा डॉ. रामाशंकर कुशवाहा के प्रति विशेष आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने सदैव मुझे प्रेरित किया तथा हर विपरीत परिस्थिति में एक अभिभावक की तरह मेरे साथ खड़े रहे। मैं अरविंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हंसराज सुमन का आभार व्यक्त करती हूँ जिनका सहयोग और मार्गदर्शन इस शोध प्रबंध में प्राप्त होता रहा। मैं म.गा.अ.हि.वि. वर्धा के फिल्म और नाट्य विभाग में सहायक प्रोफेसर तथा एम.फिल. के मेरे शोध निर्देशक डॉ. सतीश पावड़े के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने मेरे प्रति अपने आत्मीय व्यवहार में कभी कमी नहीं आने दी।

मैं अपने परिवार के सदस्यों (माता-पिता, भाई-भाभी, दीदी) का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने मुझे घर की जिम्मेदारियों से हमेशा मुक्त रखा है। उनके आशीर्वाद और स्नेह के बिना तो यह शोध कार्य संभव ही नहीं था। मैं अपने सभी दोस्तों, साथी शोधार्थियों (पीएच.डी. एवं एम.फिल.) तथा विभाग के पूर्व शोधार्थी दीपक के प्रति भी आभारी हूँ जिनका सानिध्य, उत्साह इस शोध कार्य के दौरान मुझे प्राप्त होता रहा। साथ ही ह.के.वि. के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के प्रति भी आभार। अंत में उस खास व्यक्ति को विशेष आभार जो सालों की इस यात्रा के उपरांत भी स्मृति-शेष है।

दिनांक ..... ऋतु रानी

स्थान .....